International Journal of Engineering Research & Management Technology

ISSN: 2348-4039

Sep-Oct-2022 Volume 9, Issue-5

Email: editor@ijermt.org www.ijermt.org

अध्यापक शिक्षकों के मध्य संज्ञानात्मक शैली का अध्ययन

सुशील कुमार सारस्वत [1*], डा.सुरक्षा बंसल [2]**

शोधार्थी [1*], शोध निर्देशिका [2**]

स्कूल ऑफ एजूकेशन [1, 2], शोभित इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी

(डीम्ड—टू—बी यूनिवर्सिटी) मोदीपुरम (मेरठ)

शोध सार

अध्यापक शिक्षक बहुपरत प्रभाव रखता है। संज्ञानात्मक शैली उनकी शिक्षण—अधिगम प्रक्रिया और कक्षा व्यवहार को प्रभावित करती है जो कक्षा संस्कृति और छात्र—शिक्षक सीखने को निर्धारित करती है। वैश्वीकरण और सूचना युग के संदर्भ में सामाजिक परिवर्तन और ज्ञान निर्माण की गति ने शिक्षा के क्षेत्र में भारी बदलाव ला दिया है। रचनावादी कक्षा कक्ष की अवधारणा तभी कारगर होगी जब इसकी शुरुआत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम से होगी। वर्तमान अध्ययन में शोधार्थी ने लिंग एवं विषयवर्ग के आधार पर अध्यापक शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैलियों की पहचान करने का प्रयास किया था। शोध के न्यादर्श का चुनाव उद्देश्यपूर्ण विधि द्वारा किया गया। न्यादर्श के रूप में कुल 50 इकाईयों को लिया गया है। जिसमें 25 अध्यापक शिक्षक तथा 25 अध्यापक शिक्षिकाओं को चयनित किया गया है। शोध विधि के रूप में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। निष्कर्ष में मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के अध्यापक शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैलियों में पर्याप्त भिन्नता पाई जाती है। जबकि अध्यापक शिक्षक एवं अध्यापक शिक्षिकाओं की संज्ञानात्मक शैली में कोई भिन्नता नहीं पायी गयी।

कुंजी शब्द— अध्यापक शिक्षक एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता

प्रस्तावना—

भारत में अध्यापक शिक्षा परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। समाज में तेजी से बदल रही आवश्यकता और आवश्यकता के अनुसार अध्यापक शिक्षा में बदलाव के लिए शिक्षाविदों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। शिक्षक राष्ट्र के निर्माता हैं। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुविधाजनक बनाना है। विकास के तीन डोमेन यानी भावात्मक डोमेन, संज्ञानात्मक डोमेन और क्रियात्मक डोमेन। हालाँकि अध्यापक शिक्षा संस्थान शिक्षक के सर्वांगीण विकास पर भी जोर देते हैं। शिक्षाशास्त्र में मुख्य रूप से अनुभूति पर जोर दिया जाता है क्योंकि अनुभूति ही मानव विकास का आधार है। यदि शिक्षक दृढ इच्छाशक्ति वाला हो तो शिक्षक विद्यार्थी के विकास को सुगम बना सकता है। इसलिए शिक्षक को सशक्त बनाने के लिए उनकी अपनी संज्ञानात्मक शैलियों की पहचान करने की आवश्यकता है।

संज्ञानात्मक शैली क्या है? संज्ञानात्मक शैली को समझने के लिए सबसे पहले संज्ञान की परिभाषा को समझना होगा। अनुभूति मानसिक प्रक्रियाओं का एक संग्रह है जिसमें जागरूकता, धारणा, तर्क और निर्णय शामिल हैं। संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के अध्ययन की जडें मैक्स वर्दाइमर, वोल्फगैंग, कोहलर और कर्ट कोफ्का के गेस्टाल्ट मनोविज्ञान और 19वीं शताब्दी के दौरान जीन पियाजे द्वारा बच्चों में संज्ञानात्मक विकास के अध्ययन में हैं। 20वीं शताब्दी की शुरुआत में, कार्ल जुंग ने मनोवैज्ञानिक प्रकार (1923) प्रकाशित किया, जहां उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व में सातत्य विवरणक के साथ तीन पहलू शामिल हैं। पहला पहलू, दृष्टिकोण, बहिर्मुखता से लेकर

उन व्यक्तित्वों तक हो सकता है जो बाहर जाने वाले हैं, अंतर्मुखी होने तक, वे व्यक्तित्व जो अंदर की ओर केंद्रित होते हैं। दूसरा पहलू, धारणा, किसी व्यक्ति की उत्तेजनाओं को समझने की विधि से संबंधित है, एक सहज ज्ञान युक्त व्यक्ति अर्थ—उन्मुख होता है जबकि एक संवेदी व्यक्ति विस्तार—उन्मुख होता है। संज्ञानात्मक शैलियाँ, निर्णय व्यक्तित्व का अंतिम पहलू है और निर्णय लेने के लिए किसी व्यक्ति के दृष्टिकोण से संबंधित हैं, विचारशील व्यक्ति विश्लेषणात्मक और तार्किक होता है जबकि भावनाशील व्यक्ति मूल्यों के आधार पर निर्णय लेता है।

संज्ञानात्मक शैली को परिभाषित करने में कुछ बहस चल रही है। गोल्डस्टीन और ब्लैकमैन ने इसे 'अकल्पनीय निर्माण' के रूप में परिभाषित किया है जिसे उत्तेजनाओं और प्रतिक्रियाओं के बीच मध्यस्थता की प्रक्रिया को समझाने के लिए विकसित किया गया है। संज्ञानात्मक शैली शब्द उन विशिष्ट तरीकों को संदर्भित करता है जिसमें व्यक्ति वैचारिक रूप से पर्यावरण को व्यवस्थित करते हैं। वे आगे कहते हैं कि संज्ञानात्मक शैली एक सूचना परिवर्तन प्रक्रिया है जिसके तहत एक उद्देश्य उत्तेजना को सार्थक स्कीमा में व्याख्या किया जाता है। संज्ञानात्मक शैली समग्र व्यक्तित्व और संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का एक पहलू है। कुछ लोगों का मानना है कि संज्ञानात्मक शैली अनुभूति/बुद्धि माप और व्यक्तित्व माप के बीच एक सेतु है।

संज्ञानात्मक शैली या सोच शैली एक शब्द है जिसका उपयोग संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में व्यक्तियों के सोचने, अनुभव करने और जानकारी को याद रखने के तरीके का वर्णन करने के लिए किया जाता है। शिक्षक प्रशिक्षक के संदर्भ में, हम इसे शिक्षकों के सोचने, समझने और शिक्षण और सीखने के संबंध में जानकारी को याद रखने के तरीके के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। संज्ञानात्मक—शैलियाँ एक काल्पनिक रचना है जिसे उत्तेजना और प्रतिक्रिया के बीच मध्यस्थता की प्रक्रिया को समझाने के लिए विकसित किया गया है। संज्ञानात्मक शैली शब्द उन विशिष्ट तरीकों को संदर्भित करता है जिसमें कोई व्यक्ति वैचारिक रूप से पर्यावरण को व्यवस्थित करता है। इसका विचार है कि संज्ञानात्मक शैली से तात्पर्य उस तरीके से है जिससे कोई व्यक्ति उत्तेजनाओं को संसाधित करता है ताकि पर्यावरण मनोवैज्ञानिक अर्थ ले सके। यह इस शब्द के प्रयोग का प्रतिनिधि है। चूँकि इस तरह के संज्ञानात्मक अभ्यावेदन उत्तेजना और प्रतिक्रिया के बीच एक—से—एक संबंध को संशोधित करते हैं यदि ये संज्ञानात्मक अभ्यावेदन नहीं होते तो उत्तेजनाएं व्यक्ति के लिए अप्रासंगिक होतीं।

कॉप और सिगेल (1971) ने संज्ञानात्मक शैली को व्यवहार के तरीकों के साथ जोडा, बजाय प्रक्रिया में सुधार के, उन्होंने विभिन्न व्यवहार स्थितियों में कामकाज के व्यक्तिगत तरीकों में स्थिरता को दर्शाने के लिए संज्ञानात्मक शैली शब्द का उपयोग किया।

संज्ञानात्मक शैलियाँ व्यक्तिगत जानकारी को संसाधित करने के पसंदीदा तरीके को संदर्भित करती हैं। क्षमताओं में व्यक्तिगत अंतर के विपरीत, जो चरम प्रदर्शन शैलियों का वर्णन करता है, किसी व्यक्ति की सोच, याद रखने और समस्या सुलझाने के विशिष्ट तरीके का वर्णन करता है। संज्ञानात्मक शैली किसी व्यक्ति की एक निश्चित तरीके से व्यवहार करने की प्रवृत्ति को दर्शाती है। संज्ञानात्मक शैली आमतौर पर किसी व्यक्ति और

व्यक्तित्व आयाम के ज्ञान के निर्माण के तरीके का वर्णन करती है जो दृष्टिकोण, मूल्यों और सामाजिक संपर्क को भी प्रभावित करती है।

अध्ययन की आवश्यकता

शोधार्थी ने अध्यापक शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैली का अध्ययन करना आवश्यक समझा क्योंकि अध्यापक शिक्षक बहुस्तरीय प्रभाव डालते हैं। संज्ञानात्मक शैली उनकी शिक्षण—अधिगम की प्रक्रिया और कक्षा व्यवहार को प्रभावित करती है जो कक्षा संस्कृति और छात्र—शिक्षक के सीखने को निर्धारित करती है। वैश्वीकरण और सूचना युग के संदर्भ में सामाजिक परिवर्तन और ज्ञान निर्माण की गति ने शिक्षा के क्षेत्र में भारी बदलाव ला दिया है। रचनावादी कक्षा कक्ष की अवधारणा तभी कारगर होगी जब वह शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम से दीक्षा लेगी।

शोध समस्या कथन

अध्यापक शिक्षकों के मध्य संज्ञानात्मक शैली का अध्ययन

संचालन संबंधी परिभाषाएँ

संज्ञानात्मक शैली

संज्ञानात्मक शैली या सोच शैली एक अवधारणा है जिसका उपयोग संज्ञानात्मक मनोविज्ञान में व्यक्तियों के सोचने, अनुभव करने और जानकारी को याद रखने के तरीके का वर्णन करने के लिए किया जाता है। संज्ञानात्मक शैली संज्ञानात्मक क्षमता (या स्तर) से भिन्न होती है, जिसे योग्यता परीक्षणों या तथाकथित बुद्धि परीक्षणों द्वारा मापा जाता है। 'संज्ञानात्मक शैली' शब्द के सटीक अर्थ और क्या यह मानव व्यक्तित्व का एक या एकाधिक आयाम है, इस पर विवाद है। हालाँकि यह शिक्षा और प्रबंधन के क्षेत्रों में एक प्रमुख अवधारणा बनी हुई है। यदि किसी छात्र की संज्ञानात्मक शैली उसके शिक्षक के समान है, तो संभावना बढ जाती है कि छात्र के पास सीखने का अधिक सकारात्मक अनुभव होगा।

अध्यापक शिक्षक

वर्तमान अध्ययन में अध्यापक शिक्षक का तात्पर्य एन.सी.टी.ई. मानदंडों के अनुसार चयनित और बी. एड. में पढाने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों से है।

अध्ययन

अध्ययन से तात्पर्य अध्यापक शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैली के व्यवस्थित अध्ययन से है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य

1- अध्यापक शिक्षकों के मध्य लिंग के अनुसार संज्ञानात्मक शैलियों का अध्ययन करना।

2- अध्यापक शिक्षकों के मध्य विषय वर्ग के अनुसार संज्ञानात्मक शैलियों का अध्ययन करना।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य

1- अध्यापक शिक्षकों के मध्य लिंग के अनुसार संज्ञानात्मक शैलियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

2- अध्यापक शिक्षकों के मध्य विषय वर्ग के अनुसार संज्ञानात्मक शैलियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन का महत्व

अध्ययन के निष्कर्ष से अध्यापक शिक्षा कॉलेजों और विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षा विभाग में पढाने वाले अध्यापक शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैली के बारे में संज्ञान लेने में मदद मिलेगी। साथ ही यह पाठ्यक्रम निर्माण निकायों और नीति निर्माताओं को अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। यह अध्ययन स्वयं वर्तमान अध्ययन में भाग लेने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों के बीच जागरूकता पैदा करेगा।

संबंधित साहित्य की समीक्षा

जहरा, शसावर (2011) क्या संज्ञानात्मक शैली ऑनलाइन सीखने के माहौल में ब्लॉगर्स के दृष्टिकोण को प्रभावित करती है? कॉलेज के छात्रों के बीच ब्लॉग का उपयोग करने का प्रचलन ऑनलाइन पर बहुत प्रभाव डालता है। संचार इसलिए यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि विभिन्न विशेषताओं वाले शिक्षार्थी इस तकनीक का उपयोग कैसे करते हैं। यह अध्ययन इस बात की जांच करता है कि क्या ब्लॉगर्स की संज्ञानात्मक शैली, विशेष रूप से क्षेत्र पर निर्भरता, ब्लॉग के प्रति छात्रों के दृष्टिकोण को प्रभावित करती है। विषय एक अनिवार्य पाठ्यक्रम में नामांकित स्नातक छात्रों की एक कक्षा थे। समूह एम्बेडेड आंकडे परीक्षण प्रशासित किया गया था जिसने उन्हें क्षेत्र पर निर्भर या क्षेत्र स्वतंत्रता के रूप में वर्गीकृत किया था। फिर उनसे तीन कारकों पर ब्लॉग के प्रति उनके दृष्टिकोण का आकलन करने के लिए डिजाइन की गई प्रश्नावली का जवाब देने का अनुरोध किया गयारू ब्लॉग चिंता ब्लॉग वांछनीयता और ब्लॉग आत्म—प्रभावकारिता।

कैसिडी (2004) अलग—अलग बताते हैं, इस शब्द की परिभाषा प्रदान करना कोई सीधी प्रक्रिया नहीं है क्योंकि लेबल और शैली आयामों की संख्या भिन्न है, और विद्वानों के बीच इस बात पर बहुत कम सहमति है कि उन्हें कैसे परिभाषित किया जाना चाहिए। इसी तरह, एहरमन, लीवर और ऑक्सफोर्ड का तर्क है कि सीखने और संज्ञानात्मक शैली शब्द अक्सर पर्यायवाची रूप से उपयोग किए जाते हैं, जो मेरा मानना है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। मेरी राय में, संज्ञानात्मक शैली की एक परिभाषा प्रदान करने के लिए, सबसे पहले यह जांचना आवश्यक है कि सीखने की शैली शब्द से क्या समझा जाता है।

प्रस्तुत अध्ययन की पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य अध्यापक शिक्षकों के बीच संज्ञानात्मक शैली की स्थिति का अध्ययन करना है, शोधकर्ता ने अध्ययन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि को अधिक उपयुक्त पाया।

प्रस्तुत अध्ययन का न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन के न्यादर्श मेरठ शहर में संचालित अध्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित 50 अध्यापक शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं का चयन किया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन के शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में आंकड़ों के संग्रहण हेतु प्रवीण कुमार झा द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत संज्ञानात्मक शैली परीक्षण का उपयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विधियां

प्रस्तुत अध्ययन में आंकडों का विश्लेषण करने के लिए मध्यमान, मानक विचलन एवं टी परीक्षण का उपयोग किया गया है।

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि

प्रस्तुत शोध में मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी—परीक्षण की गणना के आधार पर प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है।

विश्लेषण एवं विवेचन

निर्धारित किये उददे्श्यों एवं परिकल्पनाओं के अनसुार परीक्षण में प्राप्त आँकड़ों का क्रमवार विश्लेषण निम्न प्रकार है। आँकड़ों का विश्लेषण उददे्श्यों के अनुकूल प्रश्नावली के अनुसार किया गया है।

परिकल्पना—1

अध्यापक शिक्षकों के मध्य लिंग के अनुसार संज्ञानात्मक शैलियों का अध्ययन करना।

तालिका—1

अध्यापक शिक्षकों के मध्य संज्ञानात्मक शैलियों की तुलना

वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
अध्यापक शिक्षक	25	19.26	3.39	**0.424**	**असार्थक**
अध्यापक शिक्षिकायें	25	18.82	3.94		

तालिका 1 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि अध्यापक शिक्षकों के मध्य संज्ञानात्मक शैलियों से सम्बन्धित आंकड़ों में अध्यापक शिक्षकों का मध्यमान 19.26 तथा मानक विचलन 3.39 प्राप्त हुआ, तथा अध्यापक शिक्षिकाओं से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 18.82 तथा मानक विचलन 3.94 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर अध्यापक शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैलियों का मान अधिक पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **0.424** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 98 पर सारणी में दिए गए टी— मूल्य के मान 0.05 पर 1.98 से कम है। **अत: शून्य परिकल्पना 'अध्यापक शिक्षकों के मध्य संज्ञानात्मक शैलियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है' स्वीकृत की जाती है।** विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि अध्यापक शिक्षकों एवं अध्यापक शिक्षिकाओं की संज्ञानात्मक शैलियों में कोई अन्तर नहीं हैं।

परिकल्पना— 2

अध्यापक शिक्षकों के मध्य विषय वर्ग के अनुसार संज्ञानात्मक शैलियों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका—2

अध्यापक शिक्षकों के मध्य विषय वर्ग के अनुसार संज्ञानात्मक शैलियों की तुलना

वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
मानविकी वर्ग	25	24.25	3.54	**2.442**	**सार्थकता स्तर 0.05**
विज्ञान वर्ग	25	26.91	4.14		

तालिका 2 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि मानविकी वर्ग के अध्यापक शिक्षकों के मध्य संज्ञानात्मक शैलियों से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 24.25 तथा मानक विचलन 3.54 प्राप्त हुआ, तथा विज्ञान वर्ग के अध्यापक शिक्षकों के मध्य संज्ञानात्मक शैलियों से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 26.91 तथा मानक विचलन 4.14 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर विज्ञान वर्ग के अध्यापक शिक्षकों के मध्य संज्ञानात्मक शैलियों का मान अधिक पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **2.442** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 98 पर सारणी में दिए गए टी— मूल्य के मान 0.05 पर 1.98 से कम है। **अतः शून्य परिकल्पना 'अध्यापक शिक्षकों के मध्य विषय वर्ग के अनुसार संज्ञानात्मक शैलियों की स्थिति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है' अस्वीकृत की जाती है।** विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के अध्यापक शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैलियों में अन्तर हैं।

निष्कर्ष

अध्यापक शिक्षकों के मध्य संज्ञानात्मक शैली का अध्ययन से सम्बन्धित प्रमुख निष्कर्ष निम्न है—

परिणामों के विश्लेषण के पश्चात यह कहा जा सकता है कि अध्यापक शिक्षक एवं अध्यापक शिक्षिकाओं की संज्ञानात्मक शैली में कोई भिन्नता नहीं पायी गयी। विश्लेषण के आधार पर यह भी कहा जा सकता है कि मानविकी एवं विज्ञान वर्ग के अध्यापक शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैलियों में पर्याप्त भिन्नता पाई जाती है अर्थात लिंग एवं विषय वर्ग के अनुसार संज्ञानात्मक शैलियों का स्तर भिन्न—भिन्न होता है।

सन्दर्भग्रन्थ सूची

- कटोच, के. एस. एवं ठाकुर, एम. (2016) 'माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैलियाँ' शिक्षा व प्रौद्योगिकी में उन्नत अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (IJARET), वॉल्यूम— 3, अंक 4, पृ. 147-150
- खंडागले, वी.एस. (2016) 'शिक्षक प्रशिक्षकों के बीच संज्ञानात्मक शैली का अध्ययन' कला, मानविकी और प्रबंधन अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड—2, संख्या—3, पृ. 12—20
- रेड्डी, एम.एम. (2013) 'प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैलियाँ' वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. खंड—2, अंक—7, पृ. 116—118
- राइडिंग, आर.जे. (1997) 'संज्ञानात्मक शैली की प्रकृति' शैक्षिक मनोविज्ञान, 17 (1—2), पृ. 29—49

- श्रीनिवास, के. व गंगाधर, एन.एस. (2015) 'हाई स्कूल जैविक विज्ञान शिक्षकों की संज्ञानात्मक शैलियाँ' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन साइंसेज एंड रिसर्च खंड—4, संख्या— 4, पृ. 160—162